1st Term Worksheet

Subject – Hindi Language

Class – V

Name : **Sec. :**

पाठ– 2
(वर्ण विचार)

1. निम्नलिखितप्रश्नों के उत्तरदीजिए– **(पृष्ठ सं0 9)**

क. वर्णकिसेकहतेहैं?

उ0 ....

....

....

....

ख. व्यंजनकिसेकहतेहैं?

उ0 ....

....

....

....

....

ग. संयुक्तव्यंजनकिसेकहतेहैं? उदाहरणसहितलिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

घ. रेफ़ ( ) का प्रयोगकरकेपाँच शब्दलिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

ङ. ऊष्मव्यंजनकिसेकहतेहैं? उदाहरणसहितलिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

2. रिक्तस्थानों की पूर्तिकरो– **(पृष्ठ सं0 10)**

क. य्, र्, ल्, व्, ... व्यंजनहैं।

ख. .... का उच्चारण स्वतंत्र रूप से होताहै।

ग. जिनवर्णों का उच्चारणरगड़, घर्षण से उत्पन्नऊष्मा से होताहै, उन्हें .... व्यंजनकहतेहैं।

घ. वर्णों के समूहको .... कहतेहैं।

ङ. कंठ, तालु, मूर्धा, दंत व ओष्ठ के स्पर्शद्वारा .... व्यंजनों का उच्चारणहोताहै।

3. निम्नलिखितप्रश्नों के सहीविकल्पपर (√) का चिह्नलगाओ– **(पृष्ठ सं0 10)**

क. किस शब्दपरचंद्रबिंदु (अनुनासिक) लगाहै?

1. हंस 2. हँसना

3. बंदर 4. डॉक्टर

ख. किस शब्दपरअनुस्वार का चिह्नलगाहै?

1. चाँद 2. अंक

3. हँस 4. प्रातः

ग. निम्नलिखितमेंहलंत का चिह्नकौन–साहै?

1. ः 2. ्

3. ं 4. ँ

घ. विसर्ग (:) के उच्चारणमेंकौन–सी ध्वनिनिकलतीहै?

1. अम् 2. अन्

3. अह 4. अस्

4. निम्नलिखितसंयुक्तव्यंजनकिनव्यंजनों के योग से बनेहैं? **(पृष्ठ सं0 10)**

संयुक्तव्यंजन	**जिनव्यंजनों के योग से बनेहैं**
क. क्ष्	.... + ...
ख. त्र्	.... + ...
ग. ज्ञ्	.... + ...
घ. श्र्	.... + ...

विलोम शब्द

अवनति	....	अग्रज	....
अनाथ	....	अदोष	....
आज	....	आविर्भाव	....
आगमन	....	आयात	....
आरोहण	....	आरोही	....
इच्छा	....	जटिल	....
जाड़ा	....	जड़	....
जेय	....	जीवित	....
जय	....	तरल	....
तम	....	देय	....
दूषित	....		

पर्यायवाची शब्द

अग्नि ....

अमृत ....

आकाश ....

आँख ....

आनंद ....

इंद्र ....

इच्छा ....

ईश्वर ....

कमल ....

कपड़ा ....

कामदेव ....

कोयल ....

कृष्ण ....

खल ....

गंगा ....

गणेश ....

<u>कहानी / चित्र लेखन</u>

सच्चीमित्रता

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

कहानी / चित्र लेखन

शेरऔरचूहा

....

....

....

....

....

....

....

पाठ– 3
(शब्द तथावाक्य विचार)

1. निम्नलिखितप्रश्नों के उत्तरदीजिए– **(पृष्ठ सं0 15)**

क. शब्दकिसेकहतेहैं?

उ0 ....

....

....

....

ख. शब्दों का वर्गीकरणकिनआधारोंपरकियाजाताहै?

उ0 ....

....

....

....

....

ग. वाक्य किसेकहतेहैं?

उ0 ....

....

....

....

....

घ. वाक्य के कितने अंग होतेहैं? उनके नाम लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

ङ. वाक्य के कितनेप्रकारहोतेहैं? उनके नाम लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

2. निम्नलिखितकोक्याकहतेहैं? **(पृष्ठ सं0 15)**

क. संस्कृतकेवे शब्दजोअपनेमूल रूपमेंहिंदीभाषामेंअपनालिए गए हैं

....

ख. संस्कृत के जिन शब्दोंका रूपहिंदीभाषामेंबदलगयाहै

....

ग. विदेशीभाषाओं से ग्रहणकिए गए शब्द

....

घ. स्थानीय बोलियों से हिंदीभाषामेंग्रहणकिए गए शब्द

....

3. निम्नलिखितप्रश्नों के सहीविकल्पपर (√) का चिह्नलगाओ– **(पृष्ठ सं0 15–16)**

क. 'खिचड़ी' शब्दकिसप्रकार के शब्द का उदाहरणहै?

1. तत्सम 2. तद्भव
3. देशज 4. विदेशज

ख. 'अग्नि' शब्दकिसप्रकार का शब्दहै?

1. तद्भव 2. देशज
3. तत्सम 4. विदेशज

ग. वाक्य के अंग होतेहैं–

1. दो 2. तीन
3. चार 4. पाँच

घ. ''वहआगरामेंरहताहै''–वाक्य, वाक्यों के किस रूप का उदाहरणहै–

1. विधेय 2. सरलवाक्य
3. संयुक्तवाक्य 4. मिश्रवाक्य

4. निम्नलिखितवाक्योंमेंउद्देश्य औरविधेय पहचानकरउन्हेंअलग–अलगकरकेलिखो– **(पृष्ठ सं0 16)**

	वाक्य	उद्देश्य	विधेय
क.	बच्चेपढ़ रहेहैं।	....	....
ख.	श्रेयानिबंध लिख रहीहै।	....	....
ग.	मज़दूरपेड़ काटरहाहै।	....	....
घ.	चिड़िया उड़ रहीहै।	....	....
ङ.	गोलू ने कुत्तेकोडंडे से मारकरभगादिया।	....	....

<u>निबंध</u>

परिश्रम का महत्त्व

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

निबंध

स्वदेशप्रेम

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

मुहावरे

अर्थलिखकरमुहावरों का वाक्य–प्रयोगकीजिए–

अंकमेंभरना – ....

....

....

अक्ल का दुश्मन – ....

....

....

अक्लपरपत्थरपड़ना – ....

....

....

अपनाउल्लूसीधा करना– ....

....

....

अंग–अंगटूटना – ....

....

....

अंग–अंगमुसकुराना – ....

....

....

आँख उठाकर न देखना – ....

....

....

आँख दिखाना – ....

....

....

आँखों का तारा – ....

....

....

आँखों से गिरना – ....

....

....

आँखों का काँटा – ....

....

....

कानकाटना – ....

....

....

कान खोलकरसुनना – ....

....

....

कानभरना – ....

....

....

कान खड़ेहोना – ....

....

....

खटाईमेंपड़ना – ....

....

....

गले का हार – ....

....

....

गलाफाड़ना – ....

....

....

घासछीलना – ....

....

....

चंपत होना – ....

....

....

जानपर खेलना – ....

....

....

ज़हरउगलना – ....

....

....

लोकोक्तियाँ

अर्थलिखकरलोकोक्तियों का वाक्य–प्रयोगकीजिए–

अधजलगगरीछलकतजाए – ....

....

....

अंधोंमेंकानाराजा – ....

....

....

आगलगनेपरकुआँ खोदना– ....

....

....

आँख के अंधे नाम नयनसुख – ....

....

....

आम के आमगुठलियों के दाम – ....

....

....

ईश्वर की मायाकहीं धूपकहींछाया – ....

....

....

ऊँचीदुकानफ़ीकापकवान – ....

....

....

श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द

1.	अंस	....	2.	अभिराम	....
	अंश	....		अविराम	....
3.	अनिल	....	4.	अलि	....
	अनल	....		आलि	....
5.	अनिष्ट	....	6.	अनु	....
	अनिष्ठ	....		अणु	....
7.	अवलंब	....	8.	अवधि	....
	अविलंब	....		अवधी	....
9.	अपकार	....	10.	गेय	....
	उपकार	....		ज्ञेय	....

11. जलद .... 12. तरणि ....

जलज .... तरणी ....

<u>पत्र</u>

अवकाश के लिए प्रधानाचार्याकोपत्र

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

<u>पत्र</u>

छात्रावास से पिताजीकोपत्र

पाठ– 4
(संज्ञा)

1. निम्नलिखितप्रश्नों के उत्तरदीजिए– (पृष्ठ सं0 19)

क. संज्ञाकिसेकहतेहैं? उदाहरणसहितलिखो।

उ0 ....

....

....

....

ख. संज्ञा के कितनेभेदहोतेहैं? सभी की परिभाषाउदाहरणसहितलिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

2. रिक्तस्थानों की पूर्तिदिए गए शब्दों के भाववाचक रूप से करो— (पृष्ठ सं0 19)

क. मोहन की माताजीबहुत .... हैं। (दया)

ख. मनुष्य में .... का गुणहोनाचाहिए। (उदार)

ग. बच्चों की .... अच्छीलगतीहै। (चंचल)

घ. रीता के व्यवहारमें मुझे .... नज़रनहींआया। (अपना)

ङ. कृष्ण ने सुदामा के साथ .... निभाई। (मित्र)

3. सहीकथन के सामने (√) औरगलतकथन के सामने (×) का चिह्नलगाओ— (पृष्ठ सं0 20)

क. किसीव्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम कोसंज्ञाकहतेहैं।

ख. पर्वत, नदी, देशभाववाचकसंज्ञाएँ हैं।

ग. भाववाचकसंज्ञाओं का कोईआकार—प्रकारनहींहोता।

घ. कक्षा, सभा, सेनाजातिवाचकसंज्ञाएँ हैं।

ङ. जो शब्दपूरेवर्ग याजाति का बोध कराएँ, उसेजातिवाचकसंज्ञाकहतेहैं।

4. निम्नलिखितप्रश्नों के सहीविकल्पपर (√) का चिह्नलगाओ— (पृष्ठ सं0 20)

क. किसभाववाचकसंज्ञा शब्द का निर्माण 'ई' जोड़करहुआहै?

1. सफलता 2. अपनत्व

3. दोस्ती 4. बचपन

ख. कौन—सा शब्दव्यक्तिवाचकसंज्ञानहींहै?

1. गंगा 2. देश

3. भारत 4. लखनऊ

ग. सोना, चाँदी शब्दकिससंज्ञा के उदाहरणहैं?

1. जातिवाचक 2. द्रव्यवाचक

3. समूहवाचक   4. भाववाचक

घ. मंडली, टोली, कक्षा किससंज्ञा के उदाहरणहैं?

1. समूहवाचक   2. भाववाचक

3. द्रव्यवाचक   4. जातिवाचक

अनेकार्थी शब्द

अज ....

अलि ....

अर्थ ....

आम ....

उत्तर ....

कनक ....

काम ....

कर ....

काल ....

खर ....

गुरु ....

वाक्यांश

1. जोपरिचितनहींहै ....
2. जिसका अंत न हो ....
3. जोप्राप्त न कियाजासके ....
4. जो खाने योग्य न हो ....
5. बड़ाभाई ....
6. छोटाभाई ....
7. जिसेदेखा न जासके ....
8. जिसकीतुलना न की जासके ....
9. किसी की हँसीउड़ाना ....
10. जोअच्छेकुलमेंउत्पन्नहुआहो ....
11. तेज़ बुद्धिवाला ....
12. जोछिपाने योग्य हो ....
13. जानने की इच्छा ....
14. जानने की इच्छारखनेवाला ....
15. जोकहा न जासके ....
16. किसीकार्यमेंनिपुण ....
17. ईश्वरमेंआस्था रखनेवाला ....
18. ईश्वरमेंआस्था न रखनेवाला ....
19. देखनेवाला ....
20. सुननेवाला ....

अनुच्छेदलेखन

समाचारपत्र के लिए

अपठितगद्यांश

विनम्रतामनुष्य का आभूषणहै।जोव्यक्तिविनम्रहोताहैऔरबड़ों का अभिवादनकरताहै, वहसबकाप्रिय होताहै।विनम्रमनुष्य की सभीसहायताकरतेहैं। ऐसेव्यक्तिमें धैर्य, क्षमा, प्रेम, परोपकारआदिअनेकगुणों का विकासहोताहै।भगवानरामभीअपनीविनम्रता के कारणसभी के प्रिय थे।वेमाता–पिताऔरगुरु का नित्य अभिवादनकरतेथे।अपनेइन्हींगुणोंतथालगन के कारणउन्होंनेबाल्यकालमें शीघ्रहीसभीविद्याओंमें दक्षताप्राप्तकरलीथी।विनम्रतामेंवह शक्तिनिहितहैजोक्रोध रूपीज़हरकोभीअमृतबनादेतीहै।

ऊपरलिखेगद्यांशकोपढ़करनिम्नलिखितप्रश्नों के उत्तरदो– **(पृष्ठ सं0 75)**

क. कैसाव्यक्तिसभी का प्रिय होताहै?

उ0 ....

....

ख. विनम्रव्यक्तिमेंकिनगुणों का विकासहोताहै?

उ0 ....

....

....

ग. बचपनमेंरामसभी के प्रिय क्योंथे?

उ0 ....

....

....

घ. विनम्रतामेंकौन–सी शक्तिनिहितहै?

उ0 ....

....

....

....

ङ. उपर्युक्तगद्यांश का उचित शीर्षकलिखो।

उ0 ....

....

अपठित पद्यांश

हठकरबैठाचाँद एकदिनमाता से यह बोला,
सिलवादोमाँ, मुझे ऊन का मोटा एक झिगोंला।
सन–सनचलतीहवारातभर, जाड़े से मरताहूँ,
ठिठुर–ठिठुरकरकिसीतरह यात्रा पूरीकरताहूँ।
आसमान का सफ़रऔर यहमौसमहैजाड़े का,
न होअगरतोलादोकुर्ताहीकोईभाड़ेका।

ऊपरलिखेपद्यांशकोपढ़करनिम्नलिखितप्रश्नों के उत्तरदो– **(पृष्ठ सं0 78)**

क. चाँद ने माँ से क्यासिलवानेकोकहा?

उ0 ....

....

ख. चाँदकहाँ सफ़रकरताहै?

उ0 ....

....

ग. चाँदअपनी यात्रा कैसेपूरीकरताहै?

उ0 ....

....

घ. निम्नलिखित शब्दों के अर्थलिखो—हठ, झिंगोला, सफ़र, भाड़ा

उ0 ....

....

....

....

ङ. उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षकलिखो।

उ0 ....

....